BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

अगस्त 2015
अंक 8

श्री शांतीलाल मुथ्था

रक्षा हेतु बंधन
राष्ट्रीय पर्व के सामाजिकरण का नया दौर

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से................2
इनसे मिलिये श्री राजेन्द्र लुंकड़, इरोड, (त.ना.).......2
मुस्कराहट एवं खुशहाली बिखेरता व्यक्तित्व.........3
सामाजिक स्वतन्त्रता की ओर बढ़ते कदम.......3
चित्र समाचार - कार्यक्रम एवं गतिविधियां...............4-5
शतायु भव: 6
राजस्थान में भा.जै.सं. का शुभारंभ 6
कार्यकारी सम्पादक की कलम से.....6
अल्पसंख्यक समाचार, सूचनाएं एवं जानकारी.....7
परिचय सम्मेलन- 27 सितम्बर, 15 लुधियाना (पंजाब).........8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से ....

प्रिय आत्मजन,

अगस्त माह सदैव से ही हम सभी देशवासियों हेतु महत्वपूर्ण रहा है क्योंकि स्वतन्त्रता दिवस के अतिरिक्त रक्षाबंधन भी प्रतिवर्ष लगभग इसी माह में मनाया जाता है. भारत संस्कृति प्रदान देश है और पर्व हमारी संस्कृति के संवाहक हैं. विविध संस्कृतियों की समृद्धि से अभिभूत, प्रत्येक देशवासी उत्सवों के रंगो में रंगकर उत्साह एवं उमंग की अनुभूतियों के साथ राष्ट्रीय, धार्मिक, सामाजिक एवं पारिवारिक पर्वों के माध्यम से जीवन को चैतन्यमय बनाने की कला में पारंगत रहा है.

भारत धर्म प्रधान देश है. विभिन्न धर्मावलम्बियों द्वारा विविध पर्वों का नियमित रूप से मनाया जाना व देशवासियों का इनमें उत्साह से भाग लेना विविधता में एकता के दर्शन के साथ राष्ट्रीय अखंडता को पुख्ता करने में ये सशक्त भूमिका के माध्यम रहे हैं.

परिवर्तन प्रकृति का नियम है. समय के साथ बदलते सामाजिक परिदृश्यों में पर्वों व उनके उत्सवों में भी परिवर्तन का दौर प्रारम्भ हुआ व पर्वों के रंग में रंगे देशवासी उन सीमाओं को पार कर गए कि उत्सव अपव्यय में परिवर्तित होने लगे. आज देश में पारिवारिक उत्सव जैसे-विवाह, जन्मदिवस व धार्मिक उत्सवों आदि में शान-शौकत, दिखावा, प्रतिस्पर्धा व अनावश्यक व्यय सामाजिक प्रतिष्ठा का पर्याय बन चुके हैं. इसी कारण से समाज में अनेक नवीन समस्याएँ उद्भवित हुईं. दूसरी ओर आर्थिक विषमताओं से घिरे परिवारों हेतु कठिनाईयों का दौर प्रारम्भ हुआ क्योंकि अमीरी तथा गरीबी के विभाजन की स्पष्ट रेखा खिंच गयी फलस्वरूप समस्याएं ज्यादा गहराई. इन समस्याओं के निदान हेतु समय-समय पर व्यक्तियों व संस्थाओं द्वारा प्रयास किये जाते रहे हैं. भारतीय जैन संघटना के संस्थापक श्री शांतिलालजी मुथ्था जैन समाज में धार्मिक, सामाजिक एवं पारिवारिक उत्सवों में अपव्ययों की बाढ़ को रोकने हेतु अनेक वर्षों तक प्रयासरत रहे व समाज को परिणामलक्षी समाधान दिए.

शिक्षा के प्रचार-प्रसार के साथ 21वीं शताब्दी में बदलती सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों में हमारे पर्वों के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन आया है. लगता है कि पर्वों के सामाजिकरण के नए युग का सूत्रपात हो रहा है. समय की मांग के अनुरूप पर्यावरण, स्वास्थ, समाज उत्थान एवं विकास आदि कार्यक्रमों को राष्ट्रीय व सामाजिक पर्वों में स्थान दिया जा रहा है, जो निश्चित ही आने वाले कल हेतु शुभ संकेत है. भा.जै.सं. के संस्थापक श्री मुथ्थाजी के जन्मदिवस पर 8 राज्यों के अनेक नगरों/शहरों में रक्तदान शिविरों का आयोजन पर्वों के सामाजिकरण की प्रक्रिया का ही एक भाग है.

मित्रों ! समाज व राष्ट्र हित में पर्वों के सामाजिकरण की इस प्रक्रिया को गहनता प्रदान करने के महत्व को समझना हम सभी के लिए आवश्यक है. स्वतन्त्रता दिवस पर रक्तदान, स्वास्थ परीक्षण, वृक्षारोपण आदि के आयोजन का बढ़ता प्रचलन पर्वों के सामाजिकरण की भावना को बल प्रदान कर रहा है. रक्षाबंधन जैसे पवित्र त्यौहार पर 21वीं शताब्दी की सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रही इस देश की बहिनों एवं बेटियों की अस्मिता एवं सुरक्षा हेतु भा.जै.सं. के 'युवती सक्षमीकरण' कार्यक्रम से जुड़कर इस पर्व के सामाजिकरण अभियान को अधिक सघन बनाने हेतु प्रार्थना करता हूँ.

प्रफुल्ल पारख,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

BJS भारतीय जैन संघटना समाचार

संपादक मण्डल
संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे
कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद
सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई
सुरेश कोठारी, अहमदाबाद
सुदर्शन जैन, बडनेरा
वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया
संजय सिंगी, रायपुर
राजेंद्र लुंकड़, इरोड

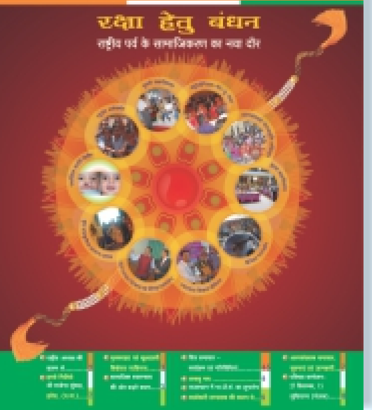

इनसे मिलिये

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय मंत्री
श्री राजेंद्र लुंकड़, ईरोड, तमिलनाडू

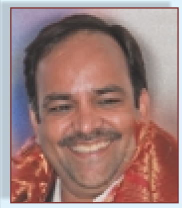

जालोर में जन्में श्री राजेंद्र लुंकड़ की प्रारम्भिक शिक्षा पचपद्र, जिला-बाड़मेर में हुई. आपने स्नातक शिक्षण Symbiosis College, पुणे से प्राप्त कर विश्वविद्यालय में दूसरे स्थान पर रहकर स्वर्ण पदक अर्जित किया. श्री शांतिलालजी मुथ्था से प्रेरणा प्राप्त कर आप वर्ष 2007 में भारतीय जैन संघटना से जुड़े. आप भा.जै.सं. तमिलनाडू के संस्थापक अध्यक्ष हैं. राजाध्यक्ष पद के उत्तरदायित्वों का 4 वर्षों तक निर्वहन करते हुए आपने राजस्थानी व जैन समुदाय में समाज व सामाजिक कार्यो के प्रति जागृति लाने में अद्वितीय सफलता प्राप्त की.

श्री लुंकड भा.जै.सं. के सर्वाधिक युवा राष्ट्रीय पदाधिकारी हैं. आप भा.जै.सं. के युवती एवं युगल सक्षमीकरण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक हैं. विभिन्न राज्यों में आयोजित किये जा रहे युवती एवं युगल सक्षमीकरण कार्यशालाओं के माध्यम से आप युवतियों एवं युगलों को सक्षम कर उनके जीवन को प्रकाशित करने का कार्य अविरत रूप से कर रहे हैं. विभिन्न संस्थाओं से भा.जै.सं. की मिलकर कार्य करने की योजना को मूर्तरूप देने में आपकी प्रभावी भूमिका रही है.

आप कुशल परामर्शदाता हैं व 100 से अधिक युगलों को परामर्श देकर पति-पत्नि के सम्बन्धों को प्रगाढ़ एवं मधुर बनाने में सफल रहे हैं. विद्यार्थियों एवं युवाओं से विचार-विमर्श करना, उन्हें अच्छे कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु प्रेरित करना आपकी अभिरूचियों में शामिल है. आपने प्लास्टिक सर्जरी व कृत्रिम अंग शिविर चेन्नई व ईरोड में आयोजित किए. प्रकृति से आध्यात्मिक श्री लुंकड स्वाध्याय शिविरों में नियमित रूप से भाग लेते हैं तथा स्वयं तो सामुदायिक सेवाओं हेतु प्रेरित हुए ही हैं साथ ही आपने अन्य को भी प्रेरित करते हैं. आपने श्री स्थानकवासी जैन संघ, जोधपुर के युवा निर्देशक होने का गौरव प्राप्त किया है. भा.जै.सं. के संघटनात्मक स्वरूप को राष्ट्रव्यापी बनाने हेतु आप प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं. श्री लुंकड़ राजस्थान व गुजरात राज्यों के प्रभारी हैं व इन राज्यों में आपने भा.जै.सं. को स्थापित कर स्वयं को कुशल सामाजिक नेतृत्वकार के रूप में प्रस्थापित किया है.

41 वर्षीय श्री लुंकड़ श्रेष्ठ वक्ता, उम्दा प्रेरक एवं करूणामयी हृदय के साथ-साथ आकर्षक व्यक्तित्व के धनी हैं. आप केलिको मिल्स के संस्थापक हैं व आपके प्रतिष्ठान बालोतरा, पाली (राज.), मुंबई व ईरोड में हैं. आप गत 18 वर्षों से टेक्सटाईल का सफल व्यवसाय कर रहे हैं.

मुस्कुराहट एवं खुशहाली बिखेरता व्यक्तित्व

कुछ ऐसे व्यक्ति भी समाज में जन्म लेते हैं जिनकी क्षमता अकेले ही समाज उत्थान एवं विकास के क्षितिजों को छूने की होती है और वो समाजजन् के जीवन में खुशहाली व समृद्धि लाने का हर संभव प्रयास करते हैं. भा.जै.सं. के संस्थापक श्री शांतिलाल मुथ्था भी उनमें से एक हैं.

श्री मुथ्था श्रेष्ठ समाजशास्त्री व दूरदृष्टा हैं जिन्होंने समाज में व्याप्त समस्याओं एवं दूषणों को समझा ही नहीं अपितु समाज को उनसे मुक्त करवाने हेतु अनुसंधान आधारित श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों का निर्माण किया. उन्होंने असंख्य मानव जीवनों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर उनके जीवन को उन्नत करने का भागीरथ कार्य किया है. सामाजिक उद्यमी के रूप में श्री मुथ्था ने संदर्भित सामाजिक समस्याओं के निराकरण में नवीन विचारधाराओं एवं रचनात्मकताओं के नए आयामों से पथ प्रदर्शक व समाज सुधारक के रूप में स्वयं को प्रस्थापित किया है.

गत 30 वर्षों से वे सामूहिक विवाहों के वृहद स्तर पर अविरत आयोजन, बेटियों के माता-पिता की विभिन्न समस्याओं, नित गिर रहे सामाजिक मूल्यों व परस्पर सम्बन्धों की परिपक्वता में आ रही कमी को परिचय सम्मेलनों के माध्यम से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मूल्यवर्धन, प्राकृतिक आपदा पीड़ित बच्चों के पुनर्वसन व उनके जीवन सँवारने आदि के मानवीयता सभर कार्यक्रमों को अगाथ स्वरुप में अंजाम देते आ रहे हैं.

बदलते परिवेश में समस्याओं के समाधान में निर्मित विभिन्न कार्यक्रमों पर समय की मांग के अनुरूप पुनरानुसंधान आधारित कार्यशैली ही उनकी पूंजी है जो भारतीय जैन संघटना के माध्यम से मुखरित हो रही है. श्री मुथ्था द्वारा प्रदर्शित अथाह प्रेम, उनकी उच्च विचारधाराओं व मानवीयता के प्रति उनके जज्बे का ही प्रतिफल है कि सम्पूर्ण देश में बड़ी संख्या में उनके अनुयायी हैं. उनकी सक्षमीकरण, सामाजिक, आर्थिक प्रगति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान आदि विषयों में स्पष्ट विचारधारा व कार्यशैली उदाहरणीय है. यही कारण है कि वे आज देश के सर्वश्रेष्ठ सामाजिक नेतृत्वकारों की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं. वर्तमान में श्री मुथ्था मूल्य आधारित शिक्षा प्रणाली के विकास पर अनुसंधानरत हैं, जिससे विद्यार्थी व युवा सही अर्थो में देश की संपत्ति की संज्ञा प्राप्त कर सकेंगे. कुछ ही दिनों पूर्व श्री मुथ्था फिल्म जगत के महान कलाकार व फिल्म निर्माता श्री आमिर खान से मिले. यह उन दो महान व्यक्तित्वों का मिलन था जो अपनी क्षमताओं के अनुरूप समाज कल्याण कार्यों मे स्वयं का जीवन न्यौछावर कर रहे हैं. श्री मुथ्था ने श्री आमिर खान को भारतीय जैन संघटना व वाघोली स्थित आदिवासी पुनर्वसन केंद्र की मुलाकात लेने हेतु आमंत्रित किया है. हाल ही में श्री मुथ्था का जन्मदिवस मनाया गया, जिसमें देश के अनेक राज्यों में भारतीय जैन संघटना के कार्यकर्ताओं द्वारा रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों तथा विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान पुरस्कार समारोह आदि आयोजित किए गए. हमारे संस्थापक का जन्मदिन समाज कल्याण व मानवीय सेवाकीय आयोजनो से मनाया गया जो निश्चित ही उनके द्वारा प्रदान की जा रही अमूल्य सामाजिक सेवाओं को बिरदाने का श्रेष्ठ प्रयास रहा. श्री मुथ्था हमारे आदर्श एवं प्रेरणास्त्रोत हैं क्योंकि वे सामाजिक मूल्यों के जतन, समाज सेवा के नए कीर्तिमानों के निर्माता, अविरत अनुसंधान एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों की परिणामलक्षी वैचारिकी आदि के प्रणेता हैं.

सामाजिक स्वतन्त्रता की ओर बढ़ते कदम

यह हर्ष का विषय है देश स्वतंत्रता कि लगभग ७ दशकों की यात्रा पूर्ण करने जा रहा है. किन्तु एक अहम प्रश्न आज भी हम सभी के समक्ष है कि क्या हम सही अर्थों में स्वतन्त्र हैं? इस वास्तविकता से हम सभी परिचित हैं कि देश गरीबी, भ्रष्टाचार, अशिक्षा एवं अज्ञानता रूपी गुलामी की बेड़ियों से आज भी जकड़ा पड़ा है. हम निश्चित ही विकासशील देश की श्रेणी में हैं किन्तु देश का समाज अनेक सामाजिक दूषणों से ग्रस्त है वहीं आर्थिक एवं सामाजिक असमानताओं की खाई चौड़ी होती जा रही है. ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जीवनयापन स्तर में बड़ा अंतर बना हुआ है. आधुनिक युग में भी हम अंधविश्वासों से ग्रस्त हैं. महिलाएं एवं बच्चे आज भी सामाजिक असमानभूति व असुरक्षा के शिकार हैं. आज भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी आधुनिक शिक्षा से वंचित हैं तथा शिक्षा के क्षेत्र में आ रहे परिवर्तनों से अनभिज्ञ हैं. इस आधुनिक एवं परिवर्तनशील युग में एक ओर परिवार नाम की संस्था की जड़े हिल रही हैं वहीं दूसरी ओर परस्पर पारिवारिक सम्बन्धों की स्थिति चिंता का विषय बन चुकी है. फलस्वरूप परिवार एवं समाज विघटन की स्थिति का सामना करने को विवश हैं. देश में अधिकांश समाज समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने हेतु स्वयं को सुसज्ज नहीं कर सके हैं, परिणामस्वरूप पारंपारिक विचारधारा के साथ अब भी जीवनयापन की शैली ही प्रचलन में है व विशेषकर व्यापार पर इसका विपरीत प्रभाव स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो रहा है.

समस्याओं एवं सामाजिक दूषणों की बेड़ियों से स्वतंत्रता दिलाने हेतु समय-समय पर अनेक व्यक्ति व संस्थाए आगे आते रहे हैं. भा.जै.सं द्वारा समाज सदस्यों, विशेषकर युवाओं को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर उनके जीवन में खुशहाली लाने का कार्य पिछले कुछ दशकों से कर रहा है. भा.जै.सं. के संस्थापक श्री मुथ्था के नेतृत्व में यह संस्था एक नवीन युग के शुभारंभ हेतु स्वप्न ही नहीं सँजो रही अपितु उस आदर्श समाज की रचना हेतु प्रयासरत है जो सही अर्थों में सामाजिक, आर्थिक,शैक्षणिक रूप से स्वतंत्र हो व वैश्विकरण तथा आधुनिकता के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने हेतु सक्षम हो.

राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रफुल्ल पारख के नेतृत्व में भा.जै.सं. द्वारा युवाओं को सक्षम बनाने व उनमें सामाजिकता की भावना का बीजारोपण करने हेतु योजनाबद्ध तरीकों से प्रयास किए जा रहे हैं, क्योंकि मात्र शिक्षित एवं निर्देशित युवा ही सामाजिक संवेदनशीलता ग्रहण कर देश निर्माण की प्रक्रिया में जुड़ सकने की क्षमता का विकास कर सकेगा. भा.जै.सं. देशवासियों को समस्या रहित समाज की रचना में उन्हें सक्षम बनाकर सच्ची स्वतन्त्रता दिलाने हेतु संकल्पित है.

स्वतन्त्रता संग्राम के फलस्वरूप हमें १९४७ में स्वतन्त्रता प्राप्त हुई, किन्तु हम देशवासी सच्ची स्वतंत्रता के अर्थ व महत्व को समझने मे असफल रहे हैं. समानभुतिपूर्ण विकास हेतु 'सामाजिक संग्राम' समय की मांग है जिससे हम सही अर्थो में वास्तविक स्वतंत्रता प्राप्त कर सकेंगे.

युवति सक्षमीकरण कार्यशालाऐं

रत्नाकर महाजन उस्मानाबाद 3 से 5 अगस्त

अभिषेक ओसवाल गोंदिया 7 से 9 अगस्त

अलका ओसवाल गंजबसोडा 7 से 9 अगस्त

प्रफुल्ल पारख पुणे 11 से 13 अगस्त

भारती चंगेडिया इचलकरंजी 14 से 16 अगस्त

गणेश ओसवाल कराड 15 से 17 अगस्त

राजेंद्र लुंकड गांधीधाम, कच्छ 14 से 16 अगस्त

रितेश जैन बिलासपुर 14 से 16 अगस्त

मीना कोठारी भोपाल 15 से 17 अगस्त

अमर गांधी, पुणे 19 से 21 अगस्त

नितीन पोहारे, नागपुर 21 से 23 अगस्त

अर्चना कर्नावत किशनगढ, राजस्थान 20 से 22 अगस्त

सीमा ओसवाल गोंदिया

अंतिमा भन्साली चेन्नई 21 से 23 अगस्त

रत्नाकर महाजन उस्मानाबाद 5 से 7 अगस्त

युवति सक्षमीकरण परिचय कार्यशालाऐं

रजनीश जैन, नागपुर 11 अगस्त

श्री. निरंजन जुवाँ,वलसाड 16 अगस्त

श्री. निरंजन जुवाँ, सुरत 14 अगस्त

 चित्र समाचार - कार्यक्रम एवं गतिविधियां चित्र समाचार - कार्यक्रम एवं गतिविधियां

Business @ Speed- बिझनेस डेव्हलपमेंट, बेंगलोर

परिचय सम्मेलन, नागपुर 9 अगस्त

मेट्रीमोनिअल गेट-टू-गेधर , पुणे 22 अगस्त

बिझनेस डेव्हलपमेंट, सेमिनार - उत्तरप्रदेश

बीजेएस आपके द्वार, मध्यप्रदेश (द्वितीय चरण)

होशिंगाबाद

बीजेएस आपके द्वार कार्यक्रम संपन्न

युगल सक्षमीकरण

राजेंद्र लुंकड, गोंदिया 1 से 2 अगस्त

संजय सिंगी लुधियाना

राजेन्द्र लुंकड़, विविध भारती पर

राकेश जैन, कैरिअर गाईडन्स, इंदौर ,18 अगस्त

भा.जै.सं. राज्य कार्यकारिणी समिती सभाएं

आगरा, उत्तर प्रदेश

औरंगाबाद, महाराष्ट्र

छत्तीसगढ़, रायपुर

'शतायु भवः'

संस्थापक शांतिलालजी मुथ्था के जन्म दिवस पर ...

15 अगस्त को हमारे संस्थापक श्री शांतिलालजी मुथ्था का जन्मदिन है, जिसे सम्पूर्ण देश में उनके अनुयाईयों व प्रशंसकों तथा भारतीय जैन संघटना से जुड़े समाजजन् ने बड़े उत्साह के साथ मनाया. इस दिन रक्तदान शिविरों का वृहद स्तर पर आयोजन हुआ.

महाराष्ट्र में 35, मध्यप्रदेश में 8, कर्नाटक में 6, गुजरात में 2, तमिलनाडू में 1, उत्तर प्रदेश में 2, छत्तीसगढ़ में 3 व देश के अन्य राज्यों को मिलाकर कुल 57 नगरों/शहरों में रक्तदान शिविरों के आयोजन से आदरणीय मुथ्थाजी द्वारा समाज को दी जा रही अद्वितीय सेवाओं को अधिक सघन व रचनात्मक बनाने हेतु इस मानवीय सेवाकीय यज्ञ से प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई. इस शुभ दिन पर कर्नाटक के शिमोगा में सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को मिठाई वितरण, चित्रदुर्ग मे विद्यार्थियों को किट वितरण, क्षीरसागर में विद्यार्थियों को युनिफॉर्म व बर्तन वितरण, दावणगिरी में वृक्षारोपण व बीजापुर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर व मैसुर तथा होस्पेट में विद्यार्थी प्रतिभा पुरस्कार समारोह आयोजित किये गये.

सोलापुर, महाराष्ट्र

औरंगाबाद, महाराष्ट्र

नागपुर, महाराष्ट्र

जलगाँव, महाराष्ट्र

होशंगाबाद, मध्यप्रदेश

जालना, महाराष्ट्र

राजकोट, गुजरात

होस्पेट, कर्नाटक

अहमदनगर, महाराष्ट्र

बेलगाँव, कर्नाटक

बालाघाट, छत्तीसगढ़

प्रतिभा पुरस्कार, हुबली, कर्नाटक

राजस्थान में भारतीय जैन संघटना के शुभारंभ के साथ विविध गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन

श्री संप्रति सिंघवी

भारतीय जैन संघटना का राजस्थान में स्थापना कार्य प्रारम्भ करने हेतु राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्य प्रभारी श्री राजेंद्र लुंकड़, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री पंकज भण्डारी, जोधपुर एवं श्री राज गोलेछा ने तीन दिवसीय भ्रमण में 28 जुलाई को राजसमंद एवं उदयपुर , 29 जुलाई को चित्तौड एवं किशनगढ़ तथा 30 जुलाई को जयपुर मे समाज सभाओं को संबोधित किया. समाज के उत्थान, विकास व परिवर्तनशील समय मे बदल रही सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भारतीय जैन संघटना द्वारा निर्मित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए इनसे जुड़ने हेतु प्रार्थना की गई. सभी स्थलों पर सकारात्मक वातावरण में भा.जै.सं.की स्थानीय इकाईयों के गठन हेतु समाजजन ने आश्वासन दिया. मदनगंज किशनगढ़ में 21 से 23 अगस्त को 'युवती सक्षमीकरण' कार्यशाला का सफल आयोजन हुआ. श्री पंकज भण्डारी एवं नवनियुक्त भा.जै.सं. के राजस्थान राज्य समन्वयक श्री संप्रति सिंघवी जयपुर का भ्रमण कार्यक्रम को सफल व परिणामलक्षी बनाने में प्रशंसनीय सहयोग रहा.

श्री पंकज भण्डारी

प्रिय स्वजन,

भा.जै.सं. के समाचार के अगस्त 15 के इस अंक को आप तक पहुँचाते हुए प्रसन्नता अनुभव कर रहा हूँ. हम प्रयासरत हैं कि इस प्रकाशन से नित नई करवटें ले रहे समाज व उसकी स्थितियों से आपको अवगत कराते रहें व साथ ही भा.जै.सं.की राष्ट्रव्यापी गतिविधियों व आयोजन से आपको माहितगार रखें.

भा.जै.सं. के राज्य, क्षेत्रीय, जिला व इकाई स्तर के सभी पदाधिकारियों से प्रार्थना है की वे समस्त कार्यक्रमों, आयोजनों एवं गतिविधियों की सूचना /रिपोर्ट मय प्रकाशन योग्य फोटोग्राफ्स सहित हमारे इन तीन ई-मेल 'ssutar@bjsindia.org', 'sjain@bjsindia.org' एवं 'njjain@bjsindia.org' पर तुरंत ही प्रेषित करें. राज्य पदाधिकारियों से नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने हेतु प्रार्थना है. आपके द्वारा Whats App पर प्रेषित की जा रही सूचनाओं के अतिरिक्त उपर्युक्त Email ID पर अलग से रिपोर्ट व प्रकाशनार्थ सामग्री प्रेषित करने हेतु प्रार्थना है.

निरंजन जुवाँ जैन, कार्यकारी संपादक

अल्पसंख्यक कार्यशालाऐं

सतलासन, गुजरात

मांडवी, गुजरात

जामनगर, गुजरात

धार्मिक अल्पसंख्यक जैन समुदाय धार्मिक अधिकारों को जाने व समझे

देश के संविधान ने अल्पसंख्यक समुदायों को उनकी भाषा, लिपी एवं संस्कृति के जतन हेतु विशेषाधिकार प्रदान किए हैं. ये अधिकार क्या हैं? इन संवैधानिक अधिकारों से क्या हम लाभान्वित हो रहे हैं? हमारी धार्मिक संस्कृति पर प्रहारों की स्थिति में हम क्या करें? ऐसे अनेक प्रश्न आज जैन समुदाय के समक्ष हैं.अल्पसंख्यक लाभों की जानकारी देने हेतु भारतीय जैन संघटना राष्ट्रव्यापी अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान का संचालन कर रहा है. विभिन्न राज्यों के नगरों / शहरों में हमारे प्रशिक्षित प्रशिक्षकों के माध्यम से अल्पसंख्यक लाभ कार्यशालाओं में समाजजन् को विषय पर जानकारी देने का कार्य किया जा रहा है. आपके नगर/शहर में कार्यशाला आयोजन हेतु निकटतम भारतीय जैन संघटना के कार्यालय या पुणे कार्यालय को सम्पर्क करें.

अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों हेतु कार्यशालाओं का आयोजन शीघ्र होगा

अल्पसंख्यक समुदायों की शिक्षण संस्थाओं को मिलने वाले लाभ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30 में वर्णित हैं. भारतीय जैन संघटना द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान के तहत अल्पसंख्यक समुदायों की शिक्षण संस्थाओं हेतु विशेष कार्यक्रम का निर्माण किया गया है. प्रत्येक राज्य में एक दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से शिक्षण संस्थाओं के ट्रस्टीगण, प्रबन्धकों व प्रधानाचार्यों आदि को सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी.

जैन समाज द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं को अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त करना संस्था व समाज हित में है. प्रार्थना है कि आपके नगर/शहर में संचालित ऐसे शिक्षण संस्थानों की जानकारी हमें प्रदान करें ताकि उन्हें प्रस्तावित कार्यशाला हेतु आमंत्रण दिया जा सके.

अल्पसंख्यक लाभों, योजनाओं की जानकारी,
आवेदन के तरीकों, आपके प्रश्नों के समाधान पाने
व पुस्तकें प्राप्त करने हेतु हमसे सम्पर्क करें

शैक्षणिक ऋण आवेदन की पद्धति अब ऑनलाईन की गई

देश के सभी विद्यार्थी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी आधारित विद्यार्थी आर्थिक सहायता प्राधिकरण की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की गई है जो प्रधानमंत्री की 'विद्यालक्ष्मी'कार्यक्रम के तहत छात्रवृत्तियों एवं शैक्षणिक ऋण योजनाओं का पर्यवेक्षण करेगी. इस नवीन विद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को सिंगल विंडो इलेक्ट्रोनिक प्लैटफॉर्म से ऋण उपलब्ध हो सकेगा जिसमें ऑनलाईन आवेदन की सुविधा के अतिरिक्त विभिन्न बैंको की शैक्षणिक ऋण योजनाओं की जानकारी, आवेदन पत्र व आवेदन की पद्धति आदि की जानकारी सुलभ होगी. इसी पोर्टल से आवेदन पत्र की स्थिति व बैंक द्वारा पूर्ण की जाने वाली प्रक्रियाओं की जानकारी के अतिरिक्त ऋण स्वीकृति आदि की स्थिति की जानकारी ली जा सकेगी. आवेदन करने हेतु www.vidyalakshmi.co.in पर लॉगिन एवं रजिस्टर करें व आवेदन की सम्पूर्ण प्रक्रिया ऑनलाईन ही पूर्ण करें. इंडियन बैंक एसोशिएशन की सभी सदस्य बैंकों हेतु यह योजना प्रभावी रहेगी.

महिलाओं के नेतृत्व विकास की योजना 'नई रोशनी' के पेनल मे सामाजिक संस्थाओं को शामिल करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए.

भारत सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015-16 हेतु महिलाओं के सामाजिक उत्थान एवं विकास के कार्य कर रही पंजीकृत सामाजिक संस्थाओं (NGOs)के ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए है. इच्छुक संस्थाओं को सलाह दी जाती है कि अल्पसंख्यक मंत्रालय भारत सरकार की वेबसाईट www.minorityaffairs.gov.in के Home page पर "What is New" क्लिक कर 'नई रोशनी' योजना की दिनांक 24.08.2015 की अधिसूचना का अध्ययन करें.

छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन की अंतिम तिथियाँ बढ़ी

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक समुदायों के विद्यार्थियों हेतु विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन की अंतिम तिथियाँ बढ़ा दी गयी हैं, जो निम्न है :

प्री–मेट्रीक छात्रवृत्ति योजना

a. कक्षा 1-8 (ऑफलाईन) 15 सितम्बर 2015 नवीन (Fresh) आवेदन

b. कक्षा 9-10 (ऑनलाईन)15 अक्टूबर 2015 नवीन (Fresh) आवेदन

पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति योजना

15 अक्टूबर 2015 नवीन (Fresh) एवं नवीनीकरण (renewal)

मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति

c. 15 अक्टूबर 2015 नवीन (Fresh) आवेदन

d. 15 नवम्बर 2015 नवीनीकरण (renewal) आवेदन

नोट :

(1) छात्रो से निवेदन है कि अपने राज्य में प्री–मेट्रीक छात्रवृत्ति की आवेदन की अंतिम तिथी की जांच कर लें क्योकि हर राज्य में तिथियाँ अलग–अलग हैं.

(2) कक्षा 1 से 8 (ऑफलाईन) नवीनीकरण आवेदन हेतु अंतिम तिथी 31 अगस्त 2015 थी जो अब समाप्त हो गई है.

(3) कक्षा 9 से लेकर आगे के सभी के सभी वर्गों व कोर्स हेतु आवेदन ऑनलाईन करने हैं.

(4) अधिक जानकारी हेतु : http://www.minorityaffairs.gov.in/sites/upload_files/moma/files/scholarship.PDF पर क्लिक कीजिये.

अल्पसंख्यक लाभ BJS Whats App अपडेट सर्व्हीस का टेलीफोन नंबर बदला

भारतीय जैन संघटन की अल्पसंख्यक लाभों पर संचालित Whats App अपडेट सर्व्हीस के मोबाईल नंबर में परिवर्तन हुआ है. हमारा इस सर्व्हीस का नंबर **77690 82288** है जिसे आपके मोबाईल सेट में Save करने हेतु प्रार्थना है. समाजजन् जो इस सेवा का लाभ लेना चाहते हैं, स्वयं का नाम, मोबाईल नंबर, शहर व राज्य का नाम, E-Mail ID (यदि हो तो) उपरोक्त नंबर पर SMS करें.

अल्पसंख्यक कार्यशालाऐं

नवसारी, गुजरात

बारडोली, गुजरात

इंदापुर,महाराष्ट्र

जि. आगरा (उ.प्र.)

भिगवण, महाराष्ट्र

बारामती, महाराष्ट्र

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Bharatiya Jain Sanghatana, Punjab

S. S. JAIN MAHASABHA (PUNJAB) UTTARI BHARAT

The right time & place
to meet on a single platform :
Doctors, Engineers,
Lawyers, C. A.s,
MBAs and Business professionals

Jain Parichay Sammelan for Educated Yuvak-Yuvati

at Ludhiana on Sunday, 27th September 2015

Venue:
Baba Dharamdass ji Tomri, Shivpuri Chowk, G.T. Road, Ludhiana

- Contact Persons -

Shri. Anil Jain : 99140 20066   Shri. Mohinderpal Jain: 98721 55527
Shri. Vishal Jain: 98143 35851   Shri. Gaurav Jain: 98145 09952

Book-Post

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana
Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel.: 020 4128 0011, 4128 0012, 4128 0013
Website : www.bjsindia.org   E mail : info@bjsindia.org
Facebook : www.facebook.com/BJSIndia